संयुक्त स्थल निरीक्षण रिपोर्ट

प्रमाणित किया जाता है कि मझगांय मध्यम सिंचाई परियोजना के एलाईमेन्ट एवं डिमारकेशन का संयुक्त निरीक्षण श्री एस.के. सिंह, अनुविभागीय अधिकारी, जल संसाधन विभाग पन्ना तथा श्री आर.के. निरंजन उप वनमण्डलाधिकारी, विश्रामगंज एवं वन परिक्षेत्राधिकारी, अजयगढ़ द्वारा दिनांक 08/4/15 को किया गया। तथा पाया कि उक्त परियोजना उत्तर वनमंडल के परिक्षेत्र अजयगढ़ एवं पन्ना टाईगर रिजर्व के अधिसूचित बफरजोन के वनक्षेत्र के अन्तर्गत है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है।

अनु. क्र.	रेंज का नाम	वनखण्ड का नाम	वन का प्रभार आरक्षित / संरक्षित	कम्पार्टमेन्ट नं. (कक्ष क्र.)	प्रभावित वनक्षेत्र हे.	प्रभावित वृक्षों की संख्या	अन्य विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8
1	अजयगढ़	देवराभापतपुर ब	संरक्षित	पी–177	32.412	10924	
				पी–181	128.570		
		उदयपुर	संरक्षित	पी–188	36.500		
		मझगवां	संरक्षित	पी–189	170.200		
		बजरंगपुर–1	संरक्षित	पी–190	16.250		
2	बफरजोन	बड़ीबनहरी	संरक्षित	पी–182	42.831		
				योग :–	426.763	10924	

संरक्षित – 426.763 हे.
आरक्षित – निल
कुल आवेदित वनक्षेत्र 426.763 हे.

1 प्रभावित क्षेत्र मिश्रित वन है। जिसका घनत्व 0.1 से 0.4 है।
2 प्रस्तावित परियोजना हेतु आवेदित वनक्षेत्र का कोई विकल्प नहीं है।
3 उपरोक्त परियोजना जोकि वनक्षेत्र में कम से कम प्रभावित होती है।

कार्यपालन यंत्री
जल संसाधन संभाग पन्ना (म0प्र0)

वनमंडलाधिकारी
उत्तर सामान्य वनमण्डल पन्ना (म0प्र0)

G:\New Folder\Runj Dem

स्थल निरीक्षण प्रतिवेदन

मंझगांय मध्यम सिचाई परियोजना हेतु प्रस्तावित वन भूमि रकवा 426.763 हे0 जो कक्ष क्र0पी–177, पी–181, पी–182, पी–188, पी–189 एवं पी–190 के वनक्षेत्रों से संकलित हैं। का स्थल निरीक्षण दिनांक 07.04.2015 को मेरे द्वारा किया गया। प्रस्तावित क्षेत्र के वन कक्षों का वन घनत्व 0.1 से 0.4 तक रिक्त एवं मिश्रित वन हैं। ये सभी कक्ष पुनः स्थापना कार्य वृत्त के अन्तर्गत कार्य आयोजना में रखे गये है।

कक्ष क्र0पी–177 में निम्न संनिधि का 0.4 तक का मिश्रित वन पाया गया। इस क्षेत्र में पुनरूत्पादन मध्यम है। वन सस्य मुख्यतः वन मिश्रित की सहयोगी प्रजातियों का है। ये वन कक्ष भी कार्य आयोजना में पुनः स्थापना कार्य वृत्त में शामिल है।

प्रस्तावित वनक्षेत्रों में शाकाहारी वन्यप्राणियों में मुख्यतः सियार, लोमड़ी, जंगली सुअर एवं बन्दर की उपस्थिति देखी गई है। परियोजना में यद्यपि कोई वनक्षेत्र एकांकी रूप से अलग नही होता तथा इन वनक्षेत्रों से लगे हुए वनक्षेत्र भी इसी स्थल गुणवत्ता, घनत्व व समान सस्य के होने से वन्यप्राणियों पर प्रत्यक्षतः कोई प्रतिकूल प्रभाव संभावित नही है, यद्यपि योजना के प्रस्तावित क्षेत्र में पन्ना टाईगर रिजर्व के अधिसूचित वफर जोन में शामिल एक कक्ष पी–182 प्रभावित हो रहा है। पानीं को परियोजना अन्तर्गत रोके जाने से भू–अर्द्रता में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त वन्य प्राणियों को वर्ष भर पेय जल की उपलब्धता बनी रहेगी। परियोजना स्वीकृति की अनुशंसा की जाती है।

वन मंडलाधिकारी,
उत्तर सामान्य वन मंडल पन्ना (म0प्र0)